Cataloguing Module / Housekeeping in Cataloguing / Library Automation in Cataloguing

By Afroz Ahmad, Mob. No. 9006658740

कैटलॉगिंग सबसे महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जिसे अधिकांश उपयोगकर्ताओं द्वारा अधिकतम बार उपयोग किया जाता है। यह एक मुख्य एप्लिकेशन मॉड्यूल है जो पुस्तकालय के ग्रंथ सूची डेटाबेस के निर्माण, अद्यतन (Update) और प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है। कैटलॉग उपकरण पुस्तकालय के संसाधनों और सेवाओं के उपयोग में मदद करते हैं। कम्प्यूटरीकृत कैटलॉगिंग पूरी दुनिया में सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले पुनर्प्राप्ति उपकरण में से एक है। इसका उपयोग भौगोलिक सीमाओं के पार ग्रंथ सूची डेटा के आदान-प्रदान, वितरण और उपयोग के लिए भी किया जाता है। 1960 के दशक में कंप्यूटर आउटपुट माइक्रोफॉर्म (COM) कैटलॉग के निर्माण के साथ कंप्यूटर आधारित कैटलॉगिंग संभव हो गई।

रॉली (Rowley) (1987) ने सूचीबद्ध किया कि कैटलॉग का उपयोग मुख्य रूप से दो तरीकों से होता है।

1. **कैटलॉगिंग और अन्य कैटलॉग फॉर्म (Cataloguing and other catalogue forms)**
2. **ओपेक (OPAC – Online Public Access Catalogue)**

कैटलॉगिंग में कंप्यूटर का मूल उपयोग डेटा-एंट्री प्रयास को कम करने के लिए है। एक बार जब प्रलेख के पुस्तक सूची विवरण सिस्टम में फिट हो जाते हैं, तो डेटा का उपयोग कैटलॉग कार्ड बनाने के साथ-साथ दिए गए इलेक्ट्रॉनिक रूपों में आउटपुट प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है, उदाहरण के लिए ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (OPAC)। इसमें नए नए आने वाले पुस्तक के कैटलॉग का उत्पादन भी संभव है। बुक कार्ड और स्पाइन लेबल भी उसी डेटा का उपयोग करके तैयार किए जा सकते हैं जो तकनीकी या परिसंचरण या अधिग्रहण अनुभागों में पहले चरण में दर्ज किया गया था। कैटलॉगिंग प्रक्रिया में किया गया स्वचालन संग्रह में सामग्री के प्रसंस्करण में तेजी प्रदान करता है। यह स्टेशनरी (कार्ड) और किसी कार्य को सूचीबद्ध करने की इकाई लागत को कम करता है और पुस्तकालयों में पुस्तकालय सामग्री के लिए एक सामान्य साधन के रूप में कार्य करता है। इसमें टाइटल, विषय आदि से एडेड एंट्री बनाने की आवशयकता नहीं है। मोनोग्राफ, धारावाहिक, ध्वनि रिकॉर्डिंग, पांडुलिपियों, मानचित्रों, ऑडियो-विजुअल सामग्री जैसे सभी प्रकार की सामग्री की कैटलॉगिंग के लिए मशीन पठनीय कैटलॉगिंग "MARC" प्रारूप" कोडिंग का प्रावधान है। यह कैटलॉगिंग एक अंतराष्ट्रीय मानक फॉरमेट है। हर डेटा की सभी सूचनाओं को एक मार्क प्रारूप में कैटलॉगिंग कार्ड बनाया जाता है जैसे लेखक, शीर्षक संपादक, भौतिक विवरण, श्रृंखला विवरण, नोट्स, विषय शीर्षक, अतिरिक्त प्रविष्टियां कॉल नंबर, आईएसबीएन और जानकारी सभी के लिए इसमें कोडिंग दी गई है जो कैटलॉगिंग के लिए सहायक है।

मशीन पठनीय प्रारूप के घटक (Components of Machine Readable Format)

मशीन प्रारूप में निम्नलिखित घटक होते हैं (The machine format consists of the following components)

a) **डेटा तत्व (Data element):** डाटा एलिमेंट आईएसबीएन की सूचना के साथ प्रविष्ट (Entered) किया जाता है।

b) **क्षेत्र (Field):** इसमें प्रलेखों विस्तृत विवरण होता है जैसे लेखक, टाइटल, प्रकाशित होने का स्थान, प्रकाशक, वर्ष, संस्करण, वॉल्यूम, सीरीज आदि। फील्ड दो प्रकार के होते है।

- फिक्स्ड फील्ड (Fixed field): जिसमें डेटा तत्व होते हैं जो हमेशा वर्णों की पूर्व निर्धारित संख्या में व्यक्त किए जाते हैं।
- वेरिएबल फील्ड (Variable field): इसमें बिना पहले से निर्धारित लंबाई वाले डेटा तत्व होते हैं।

c) **रिकॉर्ड (Record):** एक पुस्तक सूची का पूरा रिकॉर्ड इसका प्रतिनिधित्व करता है।

एक मशीन पठनीय रिकॉर्ड प्रारूप में तीन प्रमुख घटक होंगे। वे इस प्रकार हैं।

a) एक रिकॉर्ड की संरचना, जो मशीन पठनीय माध्यम पर डेटा का भौतिक प्रतिनिधित्व है।
b) रिकॉर्ड की सामग्री, जो स्वयं डेटा तत्व हैं।

पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के कैटलॉग मॉड्यूल की प्रमुख गतिविधियाँ और सेवाएँ इस प्रकार हैं।

1. **पूर्व-निर्धारित वर्कशीट का निर्माण:** इसके द्वारा कैटलॉग करने से पहले अपने कैटलॉग के लिए ज़रूरत के अनुसार वर्कशीट का निर्माण करते है जिसका प्रावधान हर लाइब्रेरी सॉफ्टवेर में होता है जिससे कैटलॉग करने में आसानी होती है।
2. **कैटलॉग बनाना:** इसके द्वारा किसी भी पुस्तकों के कैटलॉग बनाने का काम किया जाता है इसमें दो प्रकार से कैटलॉग बनाया जा सकता है एक तो जो अधिग्रहण विभाग से सॉफ्टवेर के द्वारा अधिग्रहण किया गया है और दूसरा जो सॉफ्टवेर के द्वारा धिग्रहण नहीं किया गया है जिस पुस्तक का सॉफ्टवेर के द्वारा अधिग्रहण किया गया जाता है उसे सिर्फ एडिट करने कि ज़रूरत पढ़ती है मगर जिस पुस्तकों का अधिग्रह सॉफ्टवेर के द्वारा नहीं किया जाता है उसकी पूरी बिब्लिओग्रफिक सूचना देनी पड़ती है क्यूंकि पहले से अधिग्रहण विभाग में इस पुस्तक कि किसी प्रकासर कि सूचना उपलब्ध नहीं है। यह काम मार्क प्रारूप में किया जाता है इसके लिए हमें मार्क और एएसीआर2 कि जानकारी होना ज़रूरी है।
3. **डाउनलोड डेटाबेस:** इसके द्वारा किसी भी पुस्तकों के कैटलॉग या डेटाबेस को लाइब्रेरी ऑफ़ कांग्रेस या किस अन्य वेबसाइट से डाउनलोड करके अपने पुस्तकालय का परिग्रहण संख्या देकर सेव कर सकते है। इससे हमें क्लास नंबर, सब्जेक्ट हैडिंग निकालने या कैटेलॉग करने कि ज़रूरत नहीं होती है।
4. **अपडेट या एडिट करने कि सुविधा**: इसके द्वारा कैटलॉग में किसी प्रकार कि गलती होने पर बनाए गए कैटलॉग में एडिट करने कि सुविधा उपलब्ध होती है जो कि कार्ड कैटलॉग में मुमकिन नहीं था इसमें द्वारा किसी भी बिब्लिओग्रफिक डेटा में सुधार किया जा सकता है।
5. **अपडेट होल्डिंग:** इसके द्वारा बनाया जा रहा पुस्तक का कैटलॉग अगर डेटाबेस में मौजूद है तो नए कॉपी का कैटलॉग बनाने कि ज़रूरत नहीं होती है बल्कि इसके द्वारा सिर्फ नए कॉपी के परिग्रहण संख्या को सॉफ्टवेर में बने हुए डाटाबेस में जोड़ देते है।
6. **डिलीट डेटा:** किसी भी सॉफ्टवेयर के कैटलॉगिंग मॉड्यूल में डेटाबेस को डिलीट करने का भी प्रावधान रहता है ताकि अगर कोई अनुपयोगी डाटा हमारे डेटाबेस में है तो उसे डिलीट किया जा सके।
7. **मर्ज टाइटल**: अगर किसी पुस्तक का कई कई कॉपी का कैटलॉग डेटाबेस में अलग अलग बना हुआ है तो उसे इसके द्वारा एक साथ किया जा सकता है इससे यह लाभ होता है कि कोई भी पाठक एक पुस्तक कि कई कॉपी को एक साथ देख सकता है तथा कंप्यूटर में जगह भी कम लेता है।
8. **प्रिंट कैटलॉग**: इसके द्वारा बनाए गए कैटलॉग का प्रिंट ले सकते है ताकि अगर किसी कारण से कंप्यूटर में समस्या आ जाए तो प्रिंट किये गए कैटलॉग से कोई भी यूजर इसे देखा कर पुस्तक स्टैक से निकलवा कर पढ़ सके।
9. **रिपोर्ट**: हर सॉफ्टवेर के हर मॉड्यूल में रिपोर्ट बनाए का प्रावधान दिया जाता है इसलिए कैटलॉग मॉड्यूल से भी हर प्रकार का रिपोर्ट बनाया जा सकता है। परिग्रहण संख्या, टाइटल, तारीख के अनुसार बहुत कम समय में अपनी ज़रूरत के अनुसार रिपोर्ट बनाया जा सकता है।

10. **बारकोड**: इसी मॉड्यूल में बारकोड या स्पाइन लेबल बनाने का भी प्रावधान होता है इसे बनाकर हम पुस्तक के स्पाइन पर लगा देते है ताकि इसके द्वारा पुटक को इशू तथा वापस करने में आसानी हो मगर कभी कभी बारकोड या स्पाइन लेबल बनाने का प्रावधान सॉफ्टवेर के दुसरे मॉड्यूल में भी हो सकता है।
11. **इम्पोर्ट एक्सपोर्ट डेटा**: इसमें डेटा को सॉफ्टवेर से बहार (Export) लाने या किसी भी मानक डेटाबेस को सॉफ्टवेर में ले जाने (Import) का प्रावधान होता है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि किसी भी लाइब्रेरी सॉफ्टवेर में कैटलॉगिंग मॉड्यूल बहुत ज़रूरी होता है जिसके द्वारा किसी भी प्रलेखों के डेटाबेस का संग्रह करते है ताकि कोई भी उपयोगकर्ता इसे आसानी से पुनःप्राप्त कर सके और अपने आवशयकता के अनुसार प्रलेखों तक पहुँच सके।

By Afroz Ahmad
Khuda Bakhsh O. P. Library, Patna

RANGANATHAN INSTITUTE OF LIBRARY & INFORMATION SCIENCE, PATNA
RI
LIS